प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

बुच्चा निवास पर प्रवचन

आचार्यश्री महाश्रमण करेंगे 2012 का चातुर्मास जसोल में 2013 के बीदासर चातुर्मास पर पुर्नविचार

सरदारशहर 9 जुलाई , 2010

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में बाड़मेर जिले के सिंवाची-मालाणी क्षेत्र से बड़ी संख्या में अर्ज लेकर पहुंचे श्रावकों की अर्ज पर 2012 का चातुर्मास जसोल में करने की घोषणा की। जैसा कि उल्लेखनीय है पूर्व में 2009 का चातुर्मास आचार्य महाप्रज्ञ ने जसोल में करने की घोषणा की थी, पर अस्वस्थता की वजह से 2009 के चातुर्मास को स्थगित कर दिया गया था।

इससे पूर्व भी सरदारशहर में 11 जून, 2010 को संघ रूप में आए जसोल वासियों की अर्ज पर आचार्यश्री महाश्रमण ने उनकी अर्ज पर ध्यान देने का आश्वासन देते हुए कहा था कि समय की अनुकूलता के अनुसार इस पर चिंतन किया जाएगा। आज पुन: उनकी पुरजोर अर्ज और भावना को देखते हुए छापर के 2012 के चातुर्मास को स्थगित कर उन्होंने जसोल में चातुर्मास करने की घोषणा की। घोषणा के साथ ही सिंवाची मालाणीवासियों में अपार हर्ष की अनुभूति ऊं अर्हम की हर्षध्वनि और जयकारों के साथ करते दिखाई दी।

इसके साथ ही आचार्यश्री महाश्रमण ने सिंवाची मालाणी क्षेत्र के बालोतरा के लिए 2012 की अक्षय तृतीया, 2013 का मर्यादा महोत्सव टापरा, स्वर्ण जयंति (आचार्यश्री महाश्रमण का 50वां जन्म दिवस) समारोह भी बालोतरा में करने की घोषणा की।

आचार्यश्री महाश्रमण ने 2011 के राजलदेसर मर्यादा महोत्सव के बाद अपनी यात्रा का नाम अहिंसा यात्रा रखने की घोषणा की।

इससे पूर्व साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने कहा कि साधु-संतों, आचार्यों के दर्शन सौभाग्य से प्राप्त होते हैं उनके दर्शन तीर्थ के समान माने गये हैं। तीर्थ का फल समय आने पर मिलता है, सिवांची मालाणी के लोग चातुर्मास की अर्ज के साथ आए हैं कि उन्हें अपने आचार्यों का लंबा प्रवास मिले तो शायद आचार्यश्री महाश्रमण ही आप लोगों पर कृपा करा सकते हैं।

मुनि रजनीशकुमार ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी, सिवांची-मालाणी क्षेत्र की साध्वीवृंद एवं मुमुक्षु बहिनों द्वारा समुह गीत प्रस्तुति, सिवांची-मालाणी क्षेत्र के युवक परिषद्, तेरापंथ महिला मण्डल के अलावा जसराज बुरड़, गौतम सालेचा, शंकरलाल ढेलड़िया, दीपचन्द बोरदिया, राजेन्द्र सेठिया, डूंगरमल बागरेचा आदि ने अपनी भावनाएं गीत एवं वक्तव्य के द्वारा व्यक्त की। इसके साथ वहां से समागत वृहद् श्रावकों द्वारा आचार्यश्री महाश्रमण को कृतज्ञता पत्र भेंट किया।

17 सितम्बर को होगा दीक्षा का भव्य आयोजन

आचार्यश्री महाश्रमण ने (भाद्रपद शुक्ला 10) 17 सितम्बर 2010 को सरदारशहर में आयोजित होने वाले दीक्षा की घोषणा की जिसमें पचपदरा की मुमुक्षु अनिता, मुमुक्षु कीर्ति, बाड़मेर जिले के बायतु की मुमुक्षु मीना, पचपदरा की मुमुक्षु रेखा, सुजानगढ़ की मुमुक्षु सोनम, सरदारशहर की मुमुक्षु ललिता, राजलदेसर की मुमुक्षु मधु, बायतु की मुमुक्षु मीना को साध्वी दीक्षा दी जाएगी इसके अलावा मुमुक्षु अल्पा, मुमुक्षु शिखा, नोखा की मुमुक्षु नन्दा, जालना (महाराष्ट्र) की मुमुक्षु श्वेता, चैन्नई की मुमुक्षु मीना को समणी दीक्षा प्रदान की जाएगी।

प्रज्ञा दिवस का भव्य आयोजन आज
91वीं जन्म जयंति पर आयेगी महाप्रज्ञ की आत्मकथा

सरदारशहर 9 जुलाई , 2010

मानवता के मसीहा आचार्य महाप्रज्ञ की आत्म कथा 'यात्रा एक अकिंचन की' शीर्षक से उनकी 91वीं जन्म जयंती पर विमोचित होगी। आज (10 जुलाई) आचार्य महाप्रज्ञ के उत्तराधिकारी एवं तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में श्रीसमवसरण में प्रात: 8.30 बजे से आयोजित होने वाले जन्म जयंती समारोह में विमोचन होगी

मुनि जयंत कुमार के अनुसार आचार्य महाप्रज्ञ ने श्रीडूंगरगढ़ प्रवास के दौरान अपनी आत्म कथा के प्रथम खण्ड का लेखन पूर्ण करवाया था। जिसको मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा एवं मुनि धनंजय कुमार के प्रयासों से जैन विश्व भारती प्रकाशन विभाग के द्वारा पाठकों के सम्मुख पेश की जा रही है। आचार्य महाश्रमण के द्वारा आचार्य तुलसी पुण्य तिथि पर आत्म कथा जल्द आने का संकेत देने के बाद श्रद्धालुओं में उत्सुकता जग गई है। चारों ओर एक ही चर्चा है कि आचार्य महाप्रज्ञ ने आत्म-कथा में अपने सुदीर्घ जीवन के रहस्यों को उजागर किया है। इस आत्म कथा को आचार्य महाप्रज्ञ की विद्यमानता में ही प्रकाशित किया जाना था पर अचानक महाप्रयाण होने यह इच्छापूर्ण नहीं हो सकी।

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दूगड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्यश्री महाश्रमण के 4 दिवसीय बुच्चास निवास पर प्रवास संपन्न कर आज (10 जुलाई) को प्रात: 6.30 बजे प्रस्थान कर श्री समवसरण पधारेंगे जहां आचार्य महाप्रज्ञ का 91वां जन्म दिवस का कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके साथ ही रतन दूगड़ ने बुच्चा परिवार द्वारा की गई की गई व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति की तरफ से हार्दिक आभार ज्ञापित किया।

पोकरमल बूच्चा ने अपनी भावनाएं व्यक्त की एंव बुच्चा परिवार की बहिनों ने अपनी भावनाएं गीत के द्वारा व्यक्त की।

– **शीतल बरड़िया** (मीडिया संयोजक)